विविधता के बीच जीवन

कैरी लॉवेनथाल

आर. स्कॉट हैनसन

न्यू यॉर्क सिटी के फ़्लशिंग इलाके में हैं 200 से अधिक धर्मस्थल

गर्मी की दोपहरी में न्यू यॉर्क सिटी के फ़्लशिंग इलाके के स्ट्रीट ब्लॉक वहां घूमते हुए काफी लम्बे लगते हैं, लेकिन ये स्ट्रीट ब्लॉक संसार के कई धर्मों के बीच की दूरी को बहुत कम कर देते हैं।

एक ब्लॉक में श्री स्वामीनारायण मंदिर के बगल में ही बून चर्च ऑफ़ ओवरसीज़ चाइनीज़ मिशन है जिसके ऐन सामने सिंह सभा सिख गुरुद्वारा है। इस ब्लॉक को पूरे फ़्लशिंग का नमूना माना जा सकता है जहां 6.5 वर्ग किलोमीटर में 200 से अधिक आराधना स्थल हैं। मैनहट्टन से 16 किलोमीटर दूर स्थित फ़्लशिंग न्यू यॉर्क सिटी के पांच बॉरॉज में से एक है।

वर्ष 2007 में स्टेट यूनिवर्सिटी ऑफ़ न्यू यॉर्क, बिंगम्टन में इतिहास के विज़िटिंग असिस्टेंट प्रोफ़ेसर आर.स्कॉट हैनसन द्वारा संग्रहीत आंकड़ों के अनुसार फ़्लशिंग इलाके में घूमते हुए आप 151 ईसाई चर्चों (इनमें से कई कोरियाई चर्च हैं), 30 बौद्ध पूजाघरों, छह यहूदी आराधना स्थल, सात हिंदू मंदिरों, चार मस्जिदों, दो गुरुद्वारों, दो ताओवादी पूजास्थल और एक फालन गाँग स्मरण स्थल देख सकते हैं। उनकी पुस्तक *सिटी ऑफ़ गॉड्स: रिलिजियस फ्रीडम, इमिग्रेशन, एंड प्लूरलिज़्म इन फ़्लशिंग, क्वीन्स-न्यू यॉर्क सिटी, 1945-2001*, वर्ष 2010 में प्रकाशित होगी।

हैनसन कहते हैं, ''फ़्लशिंग की स्थापना वर्ष 1645 में हुई जब इसे हालैंड के एक कस्बे के नाम पर व्लिसिनजेन के नाम से जाना जाता था। 1660 के दशक तक जब ब्रिटेन ने न्यू अम्सटर्डम के डच औपनिवेश पर अधिकार कर लिया (और इसे न्यू यॉर्क कहा जाने लगा), इसका अंग्रेजीकरण हो गया और यह फ़्लशिंग हो गया।''

स्थानीय लोग गर्व से कहते हैं कि फ़्लशिंग ''अमेरिका में धार्मिक स्वतंत्रता का जन्मस्थान है।'' क्योंकि 1657 में यहां के वासियों ने औपनिवेशिक डच सरकार के समक्ष नगर के घोषणपत्र में बताए गए धार्मिक स्वतंत्रता के प्रावधानों को बनाए रखने की याचिका 'फ़्लशिंग रिमांस्ट्रेंस' प्रस्तुत की थी। इसे न्यू यॉर्क में अंतरात्मा और धार्मिक स्वतंत्रता का एकदम शुरुआती राजनीतिक आग्रह माना जाता है।

समय के साथ-साथ, कई कारकों के कारण फ़्लशिंग अमेरिका के सबसे अधिक धार्मिक विविधता वाले समुदायों में से एक बन गया। इसकी अवस्थिति बहुत केन्द्रीय है- न्यू यॉर्क के दो बड़े हवाई अड्डे, सबवे, बस और रेलमार्गों के अड्डे इसके आसपास ही हैं। दो बड़े वर्ल्ड्स फेयर (1939-40) और (1964-65) देखने के लिए अंतरराष्ट्रीय अतिथि यहीं आए। बहुत से आप्रवासी भीड़ भरे मैनहट्टन से दूर जाकर थोड़ी सी घास और पेड़ों और खुलेपन की तलाश में क्वीन्स जैसे बाहरी इलाकों में

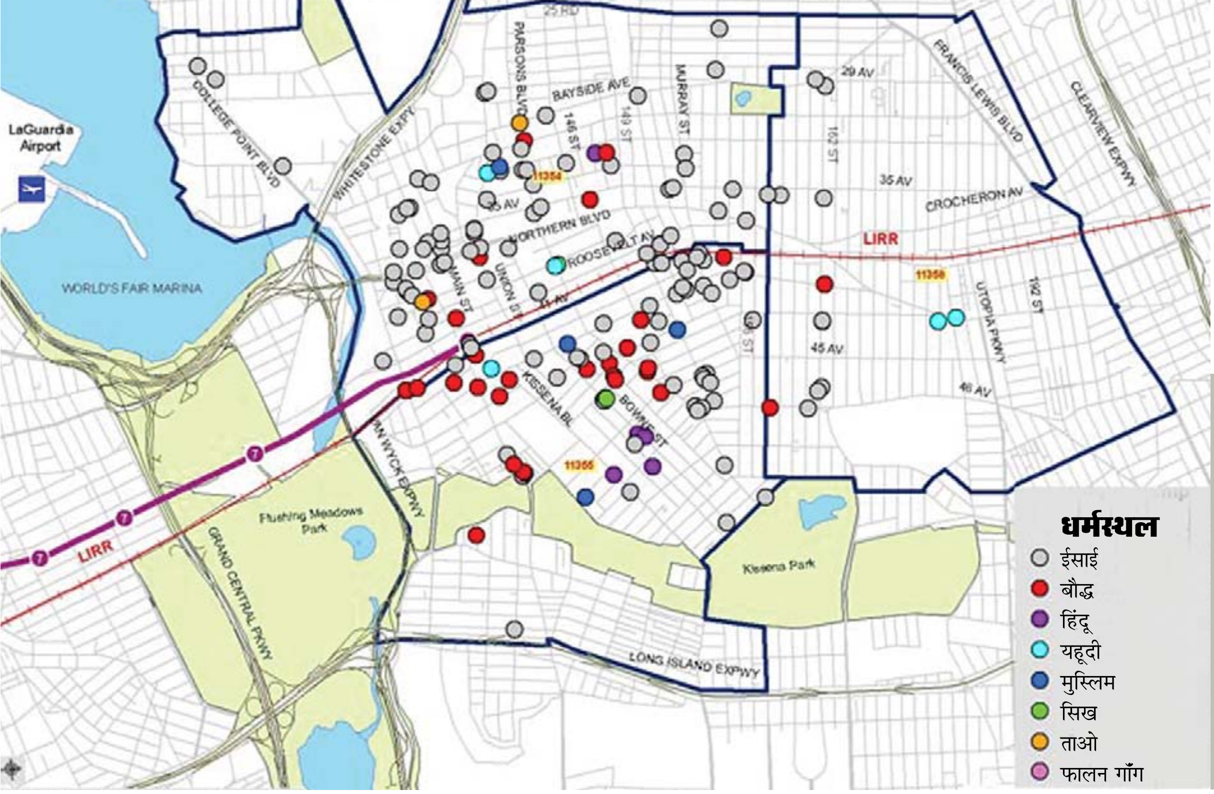

साभार: आर. स्कॉट हैनसन

अमेरिका की धार्मिक स्वतंत्रता का जन्मस्थान

फ्लशिंग को फ्लशिंग रिमांस्ट्रेंस के चलते ''अमेरिका में धार्मिक स्वतंत्रता का जन्मस्थान'' कहा जाता है। वर्ष 1657 में फ़्लशिंग, न्यू यॉर्क के पास ही इस पर हस्ताक्षर किए गए। अमेरिका में धार्मिक स्वतंत्रता के बारे में चर्चा का यह सबसे प्राचीन ज्ञात दस्तावेज़ है। नक्शे में आज के फ़्लशिंग में मौजूद धर्मस्थलों का संकेत किया गया है।

बिल्कुल बाएं: फ़्लशिंग में किसेना यहूदी केंद्र के पास से गुजरती वार्षिक गणेश चतुर्थी परेड।
बाएं: क्विन्स म्यूज़ियम ऑफ़ आर्ट के किम बदावी द्वारा ''फ़्लशिंग, क्वीन्स में चर्च और मस्जिद के बीच स्थान''

जा बसे। और सबसे बड़ी बात यह कि एक छोटे से कानूनी पेंच से कारण बहुत से आप्रवासी समूहों के लिए आवासीय क्षेत्रों में तथाकथित ''सामुदायिक सुविधाएं'' जिनमें पूजास्थल शामिल थे, बना पाना संभव हआ। मामूली फेरबदल के बाद मकान और दुकानों को चर्चों और मन्दिरों का स्वरूप दे दिया गया। ये बड़े धर्मस्थलों के बीच ब्लॉक में मौजूद हैं।

ये स्थितियां बहुत से आप्रावासियों को इस क्षेत्र की ओर आकर्षित करती हैं क्योंकि इनके कारण एक नई, अनजान जगह में आस्था-आधारित सामुदायिक केंद्र स्थापित करना सरल हो जाता है। न्यू यॉर्क टाइम्स के अनुसार आयरिश, रूसी, ग्रीक, इटैलियन और अफ्रीकी आप्रवासियों के समूह यहां आते रहे और आखिर भारतीयों, चीनी, कोरियाई, ताइवानी, वियतनामी, पाकिस्तानी, अफ़गान, मेक्सिकी और मध्य अमेरिकी समूहों के लिए जगह बनाई।

वर्ष 2000 की जनगणना के समय फ़्लशिंग के आधे से अधिक निवासी एशियाई अमेरिकी थे। न्यू यॉर्क मैग्ज़ीन का कहना है कि ''यहां की मुख्य सड़क पर जैसी व्यावसायिक विविधता, जैसी जीवंतता और चहल-पहल है, उसकी मध्य अमेरिकी राज्यों की मुख्य सड़कें बस सपना ही ले सकती हैं।''

हैनसन कहते हैं कि इतने अलग-अलग जनसमूहों के लिए घर उपलब्ध करवा पाने की क्षमता के बावजूद एकसाथ रहना सीखने में समय लगा क्योंकि ''विविधता को आदत में शुमार होने में समय लगता है।'' वह कहते हैं, ''1970 का दौर बढ़ती मुश्किल का था। फिर 80 और 90 के दशक में विविधता में वास्तविक बढ़ोतरी हुई।''

हिन्दू टेम्पल सोसाइटी ऑफ़ नॉर्थ अमेरिका के जनसम्पर्क अधिकारी गणपति पद्मनाभन हैनसन से सहमत हैं, ''हमने फ़्लशिंग को आदरभाव और सहनशीलता से भरा पाया।''

मंदिर की प्राणप्रतिष्ठा 1977 में हुई थी। पद्मनाभन बताते हैं कि सप्ताह के दौरान करीब 500 लोग मंदिर आते हैं और सप्ताहांत में करीब 3000; हम अपने इलाके में अच्छे पड़ोसियों की तरह रहते हैं और ध्यान रखते हैं कि यहां के वासियों को परेशानी न हो।

पड़ोसियों के साथ अमनचैन के अलावा मंदिर क्षेत्र के अन्य धर्मों के अनुयायियों से भी संवाद बनाए रखता है। आखिर यह बून चर्च और सिंह सभा गुरूद्वारे के पड़ोस में ही है और क्वीन्स की सबसे पुरानी मस्जिद, द मुस्लिम सेंटर ऑफ़ न्यू यॉर्क, भी चार ब्लॉक दूर ही है।

हालांकि कभी-कभी छोटी-मोटी तोड़फोड़ और मारपीट की घटनाएं हो जाती हैं, सप्ताहांत में पार्किंग की समस्या के कारण गर्मागर्मी भी हो जाती है, लेकिन हैनसन कहते हैं कि ''युद्ध और रक्तपात के बिना'' विविधता बनी ही हुई है।

पद्मनाभन बताते हैं, ''मंदिर में बहुत से ईसाई, मस्लिम, यहूदी और अन्य धर्मों के अनुयायी आते हैं, खासतौर पर छात्र। हम उन्हें मन्दिर दिखाते हैं और अपनी धार्मिक प्रथाओं के बारे में बताते हैं।''

ज़्यादा जानकारी के लिए:

फ़्लशिंग में पूरे जोरों पर है बहुसांस्कृतिकता

http://www.nytimes.com/2008/05/02/arts/02expl.html?_r=2&oref=slogin

हार्वार्ड यूनिवर्सिटी में बहुधार्मिकता परियोजना

http://pluralism.org/affiliates/shanson/index.php

विविधता की प्रचुरता वाले अन्य क्षेत्रों में वाशिंगटन के उपनगर मेरीलैंड का सिल्वर स्प्रिंग; कैलिफोर्निया में सैन फ्रांसिस्को के पास फ्रेमाँट; और इलिनॉय में शिकागो के पास रॉजर्स पार्क शामिल हैं। फ़्लशिंग की ही तरह ये शहरी केंद्रों की सीमा पर हैं।

हैनसन स्वीकार करते हैं कि फ़्लशिंग में भी समूहों के बीच संवाद अक्सर ''सतही'' ही होता है। क्वीन्स म्यूज़ियम ऑफ़ आर्ट में एक भाषण में उन्होंने स्पष्ट किया, ''शहरों के लोग अपनी निजता बनाए रखना चाहते हैं, इसलिए फ़्लशिंग के लोग भले ही एक-दूसरे के पास रहते, काम और आराधना करते हैं लेकिन कुल मिलाकर विभिन्न जातीय/नस्ली/धार्मिक समूहों के बीच खास अर्थपूर्ण स्थायी संवाद नहीं है।''

हैनसन भविष्यवाणी करते हैं कि फिर भी फ़्लशिंग धार्मिक अनेकता के नमूने के तौर पर फलता-फूलता रहेगा। वह क्षेत्र के समूहों के बीच बचे अंतरालों को पाटने के प्रयासों का श्रेय न्यू यॉर्क सिटी काउंसिल के पहले और एकमात्र एशियाई-अमेरिकी सदस्य फ़्लशिंग सिटी के पार्षद जॉन लिउ को देते हैं।

हैनसन कहते हैं,''मैं भविष्य को लेकर आशाविन्त हूं।''

कैरी लॉवेनथाल America.gov के विशेष संवाददाता हैं।